

सोहन लाल  
अपर राजिव,  
उत्तरप्रदेश शासन।

जिलानिकारी,  
पीड़ी गठबाल।

राज्यपाल नियम

देहसामुद्र दिनांक ६ जनवरी, 2006

मिति ६-जनवरी की दोपहर के अवधीन गति के निर्णय हेतु प्रियोग वर्ष २००५-०६ में  
भगवानि की रक्षाकृति।

गदोदरा,

अप्रूपदा विध्यक शासनाधेश राज्यपाल/१९७/१८(१)/२००५ दिनांक ३-१२-२००५ के  
प्रति ४ वें उद्दिश्य लेखार्थीयक -४०५२-शोक निर्णय कार्य पर पूर्णीगत परिवर्य-६०-अन्य  
२-का-आवासायक-०५१-निर्णय-०३-तहसीलों के आवासीय/अन्यावासीय भवनों का  
नियम-००-२४-कृष्ण नियम कार्य अंकित हो गया है। जो चारताव गें  
वाला नियम-०५०७-लोक नियम कार्य पर पूर्णीगत परिवर्य-६०-कल्य भवन-आगोजगायत-  
०५८-नियम-०१-के द्वारा आवासायक/कैव द्वारा पुष्टेनियानित योजनाये-०१०३-तहसीलों  
के अवधीन गति का नियम-२४-कृष्ण नियम कार्य होगा चाहिये।

२- अप्रूपदा शासनाधेश राज्यपाल/१९७/१८(१)/२००५ दिनांक २-१२-२००५ के द्वारा  
नियम के असंबोधित रायद्वारा जारी।

३- उक्त शासनाधेश दिनांक ३-१२-२००५ की शेष शर्त/प्रतिवच यथावत रहेंगे।

४- एक दूसरी विज्ञापन के अवधारणीय राज्यपाल/१९७/१८(१)/२००५-५/२००६  
दिनांक ५ जनवरी, २००६ में प्राप्त चारताव से निर्माता किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सोहन लाल)  
अपर राजिव।

राज्यपाल द्वारा दिलाईका।

नियमानुसार नियमित को सूक्ष्म रूप आवश्यक

.....(2)

महाराजा विमल

- १— गोपनीय उपराजा, उत्तराखण्ड, अन्नपूर्णा
- २— श्रीमान कल्पनी, पंजाब, यूक्तिपुरी
- ३— श्रीमान विजय चंद्र, पंजाब, यूक्तिपुरी
- ४— श्रीमान शंख चंद्र, उत्तराखण्ड, अन्नपूर्णा, उत्तराखण्ड राज्य
- ५— श्रीमान रामेश, नियोगिय नियम, उत्तराखण्ड राज्य
- ✓ ६— श्रीमान रामेश, नियोगिय नियम, उत्तराखण्ड राज्य
- ७— श्रीमान रामेश, नियोगिय नियम, उत्तराखण्ड राज्य
- ८— श्रीमान रामेश, नियोगिय नियम, उत्तराखण्ड राज्य

आशारो  
(शोहन लाल)

अमर रामेश  
✓